University in News on 26 January 2022

NBT PAGE 6

डॉ. ओपी शुक्ला और डॉ. मोहिनी गौतम का हुआ सम्मान

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ओपी शुक्ला और डॉ. मोहिनी गौतम को मुख्य निर्वाचन अधिकारी यूपी की तरफ से सम्मानित किया गया। इन्हें स्वीप योजना के तहत साल भर युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए यह सम्मान मिला है। एलयू प्रो. राकेश द्विवेदी (कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना) ने बताया कि इन पुरस्कार में मतदाता जागरूकता के लिए काम करने के लिए राज्य स्तर पर शिक्षकों और छात्रों समेत कुल 12 लोगों को पुरस्कृत किया गया है।

प्रो. आलोक ने संभाला भाषा विवि का अतिरिक्त कार्यभार

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने मंगलवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रो. राय ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कुलसचिव संजय कुमार एवं अन्य शिक्षकों से विवि के क्रिया कलापों और समस्याओं की जानकारी ली। इसके साथ ही शिक्षा का बेहतर वातावरण बनाने और नई तकनीक के साथ जोड़ने के लिए प्रयास करने की बात कही।

जूट उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए एलयू ने किया एमओयू

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के न्यू कैंपस में जूट उत्पादन इकाई स्थापित की जाएगी। इसमें उत्पाद के साथ ही जूट पर शोध भी होगा। इसके लिए एलयू ने मंगलवार को जूट आर्टिसंस गिल्ड असोसिएशन के साथ एमओयू किया है। इस पर एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार और जूट आर्टिसंस गिल्ड असोसिएशन की सचिव अंजली सिंह ने हस्ताक्षर किए। एलयू वीसी ने बताया कि एमओयू का मकसद छात्रों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण के अलावा रोजगार के मौके देना है। इस एमओयू से नई शिक्षा नीति (एनईपी) को भी गति मिलेगी। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के मौके पर हुए करार के दौरान प्रो. पीयूष भार्गव, प्रो. पूनम टंडन, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. केया पांडे, डॉ. राकेश द्विवेदी, शैलेंद्र सिंह और एसएमएच रिजवी मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 2

लखनऊ यूनिवर्सिटी में जल्द जूट प्रोडक्शन यूनिट

यूनिवर्सिटी का जूट आर्टिसंस गिल्ड एसो. संग एमओयू

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (25 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्रों के कौशल को बढ़ाने के साथ छात्रों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर उन्हें अतिरिक्त आजीविका अवसर देने के लिए यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज ने जूट आर्टिसंस गिल्ड एसोसिएशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए. इसके तहत यूनिवर्सिटी के द्वितीय कैम्पस में जूट उत्पादन इकाई की स्थापना भी की जाएगी. राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के मौके पर यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. जूट आर्टिसंस गिल्ड एसो. की सचिव अंजलि सिंह मौजूद रहीं.

पूर्व छात्रा हैं एसो. सचिव अंजलि

प्रो. आलोक राय ने बताया कि एसोसिएशन के साथ एमओयू नई शिक्षा नीति को गति देगा. इसमें कौशल विकास पर जोर रहेगा. उन्होंने कहा कि जूट कारीगर गिल्ड एसोसिएशन अंजलि सिंह द्वारा संचालित है जो एक प्रसिद्ध उद्यमी हैं. साथ ही वह लखनऊ यूनिवर्सिटी के पर्यटन अध्ययन संस्थान की पूर्व छात्रा भी रही हैं. इस अवसर पर पर्यटन अध्ययन संस्थान निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डीन प्रो. पूनम टंडन, पर्यटन अध्ययन संस्थान समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. केया पांडे आदि मौजूद रहे.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में लगेगी जूट उत्पादन इकाई

लखनऊ। लविवि अपने न्यू कैंपस में जूट उत्पादन इकाई स्थापित करेगा और स्वदेशी जूट उत्पाद बनाने पर जोर देगा। इसके लिए विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज में मंगलवार को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर जूट आर्टिसंस गिल्ड एसोसिएशन के साथ एक एमओयू किया गया। यह एमओयू कौशल वृद्धि, छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण के साथ उन्हें एक अतिरिक्त आजीविका का अवसर देगा। इसी क्रम में लविवि द्वितीय परिसर में जूट उत्पादन इकाई स्थापित कर स्वदेशी जूट उत्पाद पर जोर दिया जाएगा। लविवि की ओर से वीसी प्रो. आलोक कुमार राय व जूट आर्टिसंस गिल्ड एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में सचिव अंजलि सिंह ने हस्ताक्षर किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. आलोक राय ने लिया भाषा विवि का चार्ज

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने रजिस्ट्रार संजय कुमार व शिक्षकों से विवि के कार्यों व समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विवि में पठन-पाठन के बेहतर माहौल के लिए व तकनीकी सुगमता के लिए नए प्रयास शुरू किए जाएंगे। उन्होंने शोध को बढ़ावा देने की भी बात कही। (माई सिटी रिपोर्टर)

मतदाता जागरूकता दिवस

लविवि के शिक्षक सम्मानित

लखनऊ। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. ओपी शुक्ला व डॉ. मोहिनी गौतम को 'एनुअल स्टेट अवार्ड फॉर बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिसेज-2021' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्वीप के तहत साल भर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम व अन्य गतिविधियों के लिए दिया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

TOI PAGE 2

125th Birth Anniversary Of Subhas Chandra Bose

Netaji had declared at LU: India will demand own Constitution

'City Extended A Reception To Him Like For None Other In 1938'

Aditi.Singh@timesgroup.com

Netaji's picture with club members during his visit to Bengali Club in 1938. The honorary letter given by the club to him (right)

It was the beginning of winter in 1938 when on November 20, a Sunday, the entire city of Lucknow, especially the Bengali community, was busy with preparations to welcome Netaji here.

Subhas Chandra Bose, fondly known as Netaji, was visiting the city after being elected as the president of the Indian National Congress. The news had enthused many young men and women and political leaders in the city.

The excitement was palpable as three places here—Bengali Club, Lucknow University and Aminabad's Jhandewala Park—were eagerly waiting to host the leader.

Hewett Road's Bengali Club's affinity to Bose can be gauged from the portrait of Netaji hanging at the club's office. He is surrounded by club members of that time.

Recalling a story which he has heard and shared innumerable times, club president Arun Kumar Banerjee says, "Bengali Club had the privilege to host and meet Netaji soon after he was elected Congress president. As I have heard from my grandfather and other members, the city gave him a huge reception and welcomed him with open arms. Such a reception, they said, was not given to any other. They had also presented him with an honorary letter written in Bengali, which is a part of our club magazine. The grandfather of our member Amit Ghosh, PC Ghosh, had presented him with the letter."

Later on the same day, Bose addressed students of Lucknow University. After inaugurating an event, he made a historical speech warning the British.

"India will not have any Constitution framed by foreigners. The country will place demands for its own Constitution to the British government. If the demands are rejected, another mass civil disobedience movement would be started."

Bose also visited Jhandewala Park in Aminabad to inaugurate a khadi exhibition. However, no picture has been preserved of the event. If you visit UP State Archives office in Lucknow, you might see a rare document (logbook) which is a brief account of Netaji and the Indian National Army (INA).

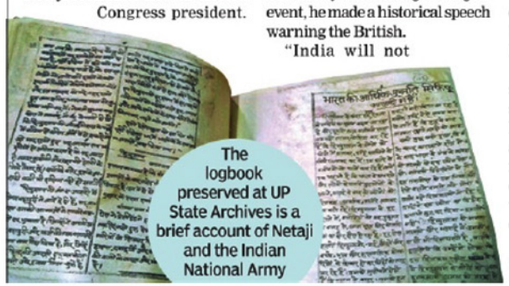

The logbook preserved at UP State Archives is a brief account of Netaji and the Indian National Army

Very few people are aware that such a collection is a part of the state archives. The 275-page bulletin which was donated to the archives in 1975 is preserved as a memoir of the accomplishments of Azad Hind Fauj (Indian National Army) under the leadership of Bose.

The collection is a record of the pamphlets and news distributed among Indian nationalists by INA during its operations in Thailand, Japan and Myanmar in various publications, including Azad Hind, and various radio services.

Talking about the importance of the rare logbook, an official at UP State Archives said, "All the pages give us an insight about the dream of Netaji to see India as a free nation. The book was donated to us by the director and secretary of Swatantra Senani Sangram Samiti, Radhey Shyam Sharma, in 1975."

"Whenever we recall Netaji and his strong speeches which inspired each one of us, we cannot help but sing the famous tune 'Kadam kadam badhaye jaa', the regimental quick march of INA. It was composed by Captain Ram Singh Thakuri when he became INA band master. I was closely associated with him and he performed several times at the club," added Banerjee.